अभ्यास पत्रक

पाठ – कारतूस

नाम :- ………… कक्षा :- ………… अवधि :- .... अनुक्रमांक :- .... प्राप्तांक :- ....

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"सवार – वज़ीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है साहब।

कर्नल – क्यों?

सवार – वो एक जाँबाज़ सिपाही है।"

1. सवार ने वज़ीर अली की गिरफ़्तारी को क्यों मुश्किल बताया?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………

2. 'जाँबाज़ सिपाही' का क्या तात्पर्य है?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………

3. इन संवादों से सवार के बारे में क्या विशेष बात स्पष्ट होती है?

उत्तर - ……………………………………………………………………………………

……………………………………………………………………………………………

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** वज़ीर अली अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोही था।
   कारण: अंग्रेजों ने उसकी सत्ता छीनकर सआदत अली को अवध का नवाब बना दिया था।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही
5. **कथन:** वज़ीर अली ने कर्नल से कारतूस लिए और हमला कर दिया।
   कारण: वह अंग्रेजों से दोस्ती करना चाहता था।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. नाटक "कारतूस" के लेखक कौन हैं?
   (क) मन्नू भंडारी (ख) भीष्म साहनी (ग) उमाशंकर जोशी (घ) जयशंकर प्रसाद
7. नाटक में कर्नल किसे पकड़ने की योजना बना रहा है?
   (क) सआदत अली को (ख) टीपू सुल्तान को (ग) वज़ीर अली को (घ) शमसुद्दौला को
8. वज़ीर अली किस स्थान पर अंग्रेज़ वकील की हत्या करता है?
   (क) गोरखपुर (ख) बनारस (ग) आज़मगढ़ (घ) कलकत्ता
9. नाटक में वज़ीर अली किसके भेष में आता है?
   (क) व्यापारी (ख) साधु (ग) सिपाही (घ) सवार
10. "दीवार हमगोश दारद" वाक्य का अर्थ है –
    (क) दीवार में दरार है (ख) दीवार खुफ़िया सुनती है
    (ग) दीवार गिरने वाली है (घ) दीवार मजबूत है

egyanarchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को सत्ता से हटाकर सआदत अली को क्यों नवाब बनाया?

उत्तर - ....

....

....

12. वज़ीर अली को 'रॉबिनहुड' जैसे किस विशेषण से जोड़ा गया है?

उत्तर - ....

....

....

13. कर्नल ने वज़ीर अली को पहचानने के बाद भी उस पर गोली क्यों नहीं चलवाई?

उत्तर - ....

....

....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. नाटक 'कारतूस' वज़ीर अली की बहादुरी और देशभक्ति का सशक्त चित्रण करता है – स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "देशभक्त अपने उद्देश्य के लिए प्राणों की परवाह नहीं करता" – इस कथन की पुष्टि पाठ 'कारतूस' के संदर्भ में कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. क्योंकि वज़ीर अली बहुत बहादुर और चालाक था, जो अंग्रेज़ों को वर्षों से चकमा देता आ रहा था।

2. 'जाँबाज़ सिपाही' यानी साहसी, निर्भीक और युद्ध-कुशल योद्धा।

3. वह वास्तव में स्वयं वज़ीर अली था – बहादुर, चालाक और देशभक्त।

4. (क)

5. (ग)

6. (ग)

7. (ग)

8. (ख)

9. (घ)

10. (ख)

11. सआदत अली अंग्रेजों का मित्र था और विलासी था; उसने अंग्रेजों को आधी जागीर और दस लाख रुपये दिए थे, इसलिए अंग्रेजों ने उसे नवाब बनाया।

12. रॉबिनहुड की तरह – जो गरीबों और अन्याय पीड़ितों की सहायता करता है, और शासकों के विरुद्ध विद्रोह करता है।

13. क्योंकि वज़ीर अली ने चतुराई से कारतूस माँगे और जाने से पहले यह बता गया कि वह कौन है – उसकी निर्भीकता ने कर्नल को स्तब्ध कर दिया।

14. नाटक 'कारतूस' में वज़ीर अली को एक ऐसे देशभक्त के रूप में दर्शाया गया है, जिसने अंग्रेजों की चालों का वर्षों तक मुकाबला किया। वह चतुर, साहसी और लक्ष्य के प्रति समर्पित है। उसने अंग्रेज वकील की हत्या कर दी, बनारस से निकलकर जंगलों में अपनी टोली के साथ लगातार संघर्ष किया। अंत में वह सवार बनकर कर्नल के शिविर में प्रवेश करता है और उससे कारतूस लेकर भाग जाता है। वह अपने शत्रु को भी क्षमा करता है – यही उसकी श्रेष्ठता है। नाटक में उसका चित्रण एक जाँबाज़, बुद्धिमान और बलिदानी क्रांतिकारी के रूप में किया गया है।

15. वज़ीर अली की कहानी एक सच्चे देशभक्त की गाथा है, जो अपनी मातृभूमि को अंग्रेजों से मुक्त कराना चाहता है। नाटक 'कारतूस' में वज़ीर अली की बहादुरी, रणनीति और देशप्रेम को बहुत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। उसने अपने पद से हटाए जाने के बाद अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष का रास्ता चुना। उसने वकील की हत्या की, जंगलों में सालों तक छिपकर अंग्रेजों की आँखों में धूल झोंकता रहा और अंत में स्वयं कर्नल के शिविर में पहुँच गया। वहाँ उसने कारतूस माँगकर, अपना परिचय देकर, उसे बिना नुकसान पहुँचाए लौट गया। उसका यह आत्मबल, रणनीति और स्वाभिमान दर्शाता है कि वह अपने उद्देश्य के लिए अपने प्राणों की परवाह नहीं करता। यह नाटक स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत वीरों को समर्पित एक प्रेरक प्रस्तुति है।